छोटी-बड़ी खबरे...

मेवाड़ विश्वविद्यालय व एम. पी.यू.ए.टी. में एम.ओ.यू.

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, चित्तौड़गढ़ एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के मध्य एम.ओ.यू. किया गया। एम.ओ.यू. के अन्तर्गत बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों को रूरत एग्रीकल्चर वर्क एक्सीपीरियंस प्रोग्राम के तहत एग्रीकल्चर से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं जैसे मृदा संरचना, सब्जियों प्रो ट्रे नर्सरी, फलदार पौधों की कलम द्वारा प्रवर्धन आदि पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, तथा छात्रों को आसपास के गावों के प्रगतिशील किसानों के साथ जोड़ा जाएगा। एक छात्र को एक किसान गोद दिया जाएगा जिनसे छात्रों को ग्रामीण कृषि कार्यों का अनुभव प्राप्त हो सके। एम.ओ.यू. के दौरान मेवाड़ विश्वविद्यालय की और से रावे प्रभारी डॉ. नीलू जैन, डीन एग्रीकल्चर डॉ. वाई. सुदर्शन, डीन एसोसिएट गौतम सिंह धाकड़ एवं तकनीकी विश्वविद्यालय एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर की और से निदेशक, कृषि प्रसार, शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टर ऑफ एक्सटेशन एज्युकेशन) डॉ. आर. ए. कौशिक, रावे प्रभारी प्रोफेसर लतिका व्यास, प्रोफेसर पी.सी. चपलोत, प्रोफेसर दीपक राजपुरोहित उपस्थित थे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय व एम.पी.यू.ए.टी. में एम.ओ.यू.

चित्तौड़गढ़/गंगरार (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, चित्तौड़गढ़ एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के मध्य एम.ओ.यू. किया गया। एम.ओ.यू. के

अन्तर्गत बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों को रूरत एग्रीकल्चर वर्क एक्सीपीरियंस प्रोग्राम के तहत एग्रीकल्चर से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं जैसे मृदा संरचना, सब्जियों प्रो ट्रे नर्सरी, फलदार पौधों की कलम द्वारा प्रवर्धन आदि पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, तथा छात्रों को आसपास के गावों के प्रगतिशील किसानों के साथ जोड़ा जाएगा। एक छात्र को एक किसान गोद दिया जाएगा जिनसे छात्रों को ग्रामीण कृषि कार्यों का अनुभव प्राप्त हो सके। एम.ओ.यू. के दौरान मेवाड़ विश्वविद्यालय की और से रावे प्रभारी डॉ. नीलू जैन, डीन एग्रीकल्चर डॉ. वाई. सुदर्शन, डीन एसोसिएट गौतम सिंह धाकड़ एवं तकनीकी विश्वविद्यालय एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर की और से निदेशक, कृषि प्रसार, शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टर ऑफ एक्सटेशन एज्युकेशन) डॉ. आर. ए. कौशिक, रावे प्रभारी प्रोफेसर लतिका व्यास, प्रोफेसर पी.सी. चपलोत, प्रोफेसर दीपक राजपुरोहित उपस्थित थे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय व एम.पी.यू.ए.टी. में एम.ओ.यू.

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, चित्तौड़गढ़ एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं तकनिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के मध्य एम.ओ.यू. किया गया। एम.ओ.यू. के अन्तर्गत बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के विद्यार्थियों को रूरत एग्रीकल्चर वर्क एक्सीपीरियंस प्रोग्राम के तहत एग्रीकल्चर से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं जैसे मृदा संरचना, सब्जियों प्रो ट्रे नर्सरी, फलदार पौधों की कलम द्वारा प्रवर्धन आदि पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, तथा छात्रों को आसपास के गावों के प्रगतिशील किसानों के साथ जोड़ा जाएगा। एक छात्र को एक किसान गोद दिया जाएगा जिनसे छात्रों को ग्रामीण कृषि कार्यों का अनुभव प्राप्त हो सके। एम.ओ.यू. के दौरान मेवाड़ विश्वविद्यालय की और से रावे प्रभारी डॉ. नीलू जैन, डीन एग्रीकल्चर डॉ. वाई. सुदर्शन, डीन एसोसिएट गौतम सिंह धाकड़ एवं तकनीकी विश्वविद्यालय एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर की और से निदेशक, कृषि प्रसार, शिक्षा निदेशालय (डायरेक्टर ऑफ एक्सटेशन एज्युकेशन) डॉ. आर. ए. कौशिक, रावे प्रभारी प्रोफेसर लतिका व्यास, प्रोफेसर पी.सी. चपलोत, प्रोफेसर दीपक राजपुरोहित उपस्थित थे।